रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही होगी अत्मनिर्भर भारत की संकल्पना साकार – कुलपति प्रो. मिश्र – रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अतंर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

जबलपुर 26 मार्च। सत्कर्म, ज्ञान, षील और परोपकर सनातन धर्म की पुरातन परंपरा रही है। ऐसा करके हम न सिर्फ भारत को विश्वगुरु बना सकते हैं बल्कि एक आत्मनिर्भर व स्वावलंबी भारत का निर्माण भी कर सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है स्वयं पर निर्भर होना, यानि खुद को किसी और पर आश्रित न करना। माननीय प्रधान मंत्री मोदी ने पहली बार लोकप्रिय रूप से इसका इस्तेमाल किया जब उन्होंने कहा था कि विश्व की आज की स्थिति हमें सिखाती है कि इसका मार्ग एक ही है– आत्मनिर्भर भारत आज सभी को मिलकर इस संकल्प को साकार करना है। ये बातें माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने शनिवार को रादुविवि में आयोजत अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 'आत्मनिर्भर भारतः वर्तमान स्थिति, बाधाएं और समाधान' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास संस्थान एवं विवि आंतरिक गुणवत्ता आकलन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में साउथ एशिया मैनेजमेंट एसोसिएषन के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक एवं आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. राजेश्वरी राणा ने आत्म निर्भर भारत मिशन की जानकारी दी। आयोजन सचिव एवं कौशल एवं कृषि विज्ञान विभाग निदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने आयोजन के उद्देश्यों की भूमिका पर प्रकाश डाला। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन बरकतुल्ला विवि भोपाल की डॉ. अंशुजा तिवारी ने प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने कहा कि मान. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसका पहले बार सार्वजनिक उल्लेख किया था जब वे वैश्विक महामारी कोरोना–वायरस से संबंधित एक आर्थिक पैकेज की घोषणा कर रहे थे।

आयोजन समिति की बैठक आज–

आज दिनांक 27 मार्च 2022 को तृतीय दिवस आयोजन समिति की बैठक का आयोजन होगा जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। समापन कार्यक्रम में 'बेस्ट टीचर अवार्ड' से सम्मानित जवाहर लाल नेहरू कृषि यूनिवर्सिटी की डॉ. स्तुति शर्मा ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण से ही देश आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

उत्कृष्ट योगदान के लिए युवाओं को मिले अवार्ड –

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी समापन कार्यक्रम में साउथ एशिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के डॉ. अनिल मेहरा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से रिसर्च पेपर प्रजेन्टेशन करने वाले युवाओं एवं उत्कृष्ट शिक्षण एवं रिसर्च कार्यों हेतु युवा प्रतिभागियों एवं अध्यापन कार्य से जुड़े गणमान्यजनों

को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह का संचालन नवयुग कॉलेज की डॉ. अनुपमा जायसवाल एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अश्विनी कुमार दुबे, खजुराहो ने किया। समापन कार्यक्रम में आईपीआर आईईडी की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के एडमिन इन कॉर्पोरशन के डायरेक्टर डॉ. अनिल मेहरा, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, जितेन्द्र शिवहरे, रितेश पटेल, संदीप कोष्टा, महेन्द्र मेहरा, दया धुर्वे, अवधेश दुबे, नीता पहाड़िया, इंजी. महावीर त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।